मुद्रण निदेशालय

पुर्नावलोकन

भारत सरकार मुद्रणालयों का इतिहास विगत में वर्ष 1862 से चला आ रहा है जब सरकार ने कलकत्ता में एक केन्द्रीय मुद्रण कार्यालय की स्थापना की थी और शिमला में एक (1872) तथा राष्ट्रपति भवन में भी एक यूनिट 1872 में जोड़ी थी (मूलत: कलकत्ता में वॉयसराय के निजी सचिव के मुद्रणालय के रूप में स्थापित) स्वतन्त्रता पूर्व निदेशालय के छ: मुद्रणालय थे। सरकारी क्रियाकलापों में विविध प्रकार से वृद्धि के साथ भारत सरकार की मुद्रण आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो गया परिणामस्वरूप समस्त देश में मुद्रणालयों की संख्या में वृद्धि हुई।

आज मुद्रण निदेशालय के अधीन संघीय गणराज्य जर्मनी द्वारा उपहारस्वरूप दी गई मशीनरी/उपकरणों से संस्थापित तीन पाठ्य पुस्तक मुद्रणालयों सहित 16 भारत सरकार के मुद्रणालय हैं। यह मूलत: एक सेवा विभाग है जो ''बिना हानि बिना लाभ'' आधार पर कार्य कर रहा है और मुख्यत: सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के कार्यों पर निर्भर करता है।

निदेशालय के प्रमुख निदेशक मुद्रण हैं जिनका कार्यालय निर्माण भवन, नई दिल्ली में स्थित है और

— यह मंत्रालय का एक सम्बद्ध कार्यालय है।
— यह एक सरकारी मुद्रक है।
— यह सरकारी फार्मों का मुद्रण, स्टॉक और वितरण करता है
— यह मुद्रण प्रोद्योगिकी से संबंधित तकनीकी मामलों पर राज्य सरकारों/अन्य केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों को परामर्श देता है।
— इसमें कुल 6631 कर्मचारी हैं।
— बजट 2004-2005.